राम का नाम निशदिन भजते रहो | By Sanjay Chauhan |

राम का नाम निशदिन भजते रहो,
देखना एक दिन राम मिल जाएंगे।
जैसे शबरी के घर प्रभु राम गए,
वैसे अपने भी घर कभी आ जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो,
देखना एक दिन राम मिल जाएंगे।।

तू क्यूँ वन-वन में राम को ढूँढा करे,
निज दर्शन को उनके क्यूँ भटका करे।
अपने अंतर-मन में झाँक ज़रा,
कहीं मन के अंधेरे में मिल जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो,
देखना एक दिन राम मिल जाएंगे।।

भगवान से बढ़कर है भक्ति बड़ी,
राम के नाम में है वो शक्ति बड़ी।
राम का नाम रोज ही गाते रहो,
देखना बेड़ा पार लगा जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो,
देखना एक दिन राम मिल जाएंगे।।

सुख-दु:ख में भी जो इनका स्मरण करे,
हर पल में जो राम का ध्यान धरे।
राजा राम बड़े दयालु हैं,
हम सब पर दया थोड़ी कर जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

मोह-माया से बढ़कर है त्याग बड़ा,
रिश्ते-नातों से बढ़कर है धर्म बड़ा।
अपने मन में दया की भावना रखो,
राम धर्म का पाठ पढ़ा जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

जब अहंकारी रावण की लंका जली,
तब एक विभीषण की कुटिया बची।
जिसके ऊपर राम का नाम लिखा,
उस कुटिया को कौन जला पाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

राम-भक्ति में सारी उमर काट दी,
फिर भी आँखों में शबरी की एक आस थी।
बैर खिलाकर शबरी को दर्शन दिए,
वैसे तुझको भी दर्शन वो दे जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

चौदह वर्षों तक श्रीराम वन में फिरे,
फिर भी एक आह मुँह से कभी न कहे।
जैसे भाई भरत को राज दिया,

वैसे तुझको भी आशीष वो दे जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

राम के नाम का रोज भजन करो,
मोह-माया पे न कभी ध्यान धरो।
माया मिट जाएगी, मोह छूट जाएगा,
राम-नाम के दो बोल रह जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

राम का नाम लेकर बस चलते चलो,
राह के काँटों की मत परवाह करो।
जैसे राम बनाए राह तेरी,
भावसागर से पार लगा जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

राम कहते हैं दूजों की सेवा करो,
निर्धन को कभी न सताया करो।
सबको एक नज़र से देखा करो,
राम हर एक में ही नज़र आएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

राम को भी तो संकट कई आए थे,
राम ने फिर भी धर्म को अपनाया था।
जैसे धोबन पर उपकार किए,
वैसे उपकार तुम पर भी कर जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

बीती बातों को छोड़ तू भजन कर ले,
राम से फिर मिलन का जतन कर ले।
जिस रोज तुझे वो मिल जाएंगे,
देखना प्यास तेरी बुझा जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

सारा जीवन तू राहों में भटका किया,
एक दिन राम के ना तू मंदिर गया।
कभी मंदिर जाकर देख ज़रा,
राम तुझको वहाँ पर भी मिल जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

जिस मन में मिलन की है लगन लगी,
उसके आँखों में दर्शन की आस जगी।
रामजी से लौ को लगा ले ज़रा,
देखना आस पुरी वो कर जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

घुट-घुट के न अपना ये जीवन बिता,
राम को अपना सारा तू हाल सुना।
राम तो हर मन की जानते हैं,
हाल तेरा वो अच्छा बना जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

सारी लंका जली जब रावण मरा,
राम बोले लखन ज्ञान ले लो ज़रा।
राम जाने कौन है ज्ञानी बड़ा,
राम आकर ज्ञान लुटा जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

सूर, मीरा, कबीर और तुलसी को देख,
सारा जीवन ही भक्ति ये करते रहे।
लाख राहें कठिन हैं तेरी मगर,
राम राहें सरल तेरी कर जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो…

राम मन में बसे, राम तन में बसे,
राम धरती के हर एक कण में बसे।
सब मिलकर उनको पुकारो ज़रा,
कल्कि अवतार लेकर चले आएंगे।

राम का नाम निशदिन भजते रहो,
देखना एक दिन राम मिल जाएंगे।
जैसे शबरी के घर प्रभु राम गए,
वैसे अपने भी घर कभी आ जाएंगे।
राम का नाम निशदिन भजते रहो,
देखना एक दिन राम मिल जाएंगे।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b6%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%a8-%e0%a4%ad%e0%a4%9c%e0%a4%a4%e0%a5%87-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%8b-by/